डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 04 अंक : 16 मूल्यः 5 रुपए पृष्ठ : 8 R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

शिखर दृष्टि जीवन की...

साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

शीर्षक सत्यापन पत्र संख्या

RAJHIN16831/20/01/2013-TC

जयपुर, गुरुवार, 14 अक्टूबर, 2021

hillviewsamachar@gmail.com

राजस्थान में बिजली संकट का असर

कोयले की कमी ने बढ़ाई चिंता, कई शहरों में 7 घंटे तक बिजली कटौती, सीएम बोले- अधिकारी एसी कम चलाएं

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान में सरकार का बिजली उत्पादन से लेकर खरीद और वितरण मैनेजमेंट पूरी तरह फेल होता दिख रहा है। बिजली उत्पादन में काम आने वाले कोयले की खरीदी समय पर नहीं हो पाई। इससे कोयले की कमी आ गई है। ऐसे में प्रदेश के कई जिलों में घोषित और अघोषित बिजली कटौती शुरू हो गई है। बिजली संकट को देखते हुए सीएम अशोक गहलोत ने भी बिजली बचत के लिए लोगों को जागरूक करने की बात कही। साथ ही अधिकारियों से भी अपील की है कि वे AC कम चलाएं।

राज्य सरकार ने खुद भी माना है कि प्रदेश में बिजली संकट बढ़ा हुआ है। हालात ये हैं कि राजधानी जयपुर में ही शुक्रवार को करीब 200 कॉलोनी और बस्तियों में 4 से 7 घंटे तक ब्लैक आउट घोषित कर दिया गया, यानी इस दौरान बिजली नहीं आएगी। दिन में 35 डिग्री से ऊपर के तापमान के बीच लोगों को गर्मी में ही समय बिताना पड़ेगा। जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र में आने वाले ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 2 से 5 घंटे की बिजली कटौती की जा रही है। जोधपुर डिस्कॉम क्षेत्र के अंतर्गत कई जिलों में कंपनी की ओर से बिजली कटौती लागू की गई है।

जोधपुर डिस्कॉम के ग्रामीण क्षेत्र में 3 से 4 घंटे तक की संभावित बिजली कटौती रहेगी। सभी नगर पालिका क्षेत्रों (जिला मुख्यालय छोड़कर) में दिन के समय 1 घंटे की संभावित बिजली कटौती रहेगी। जयपुर की कॉलोनियों में भी 4 से 7 घंटे की बिजली कटौती घोषित की गई है।

सीएम की अपील: बिजली की बचत करें अधिकारी: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह लोगों को बिजली बचाने के लिए जागरूक करें। इसके साथ ही सरकारी अधिकारियों को भी कहा है कि वह एसी कम चलाएं और बिजली की बचत करें। सरकारी विभागों में भी जरूरत के समय ही बिजली चलाई जाए, बाकी समय उपकरणों को बंद रखा जाए।

इस प्रकार रहेगी बिजली कटौती: जयपुर- सुबह 9 या 10 बजे से शाम 4 या 5 बजे तक जोधपुर - सुबह 7 से 8 बजे जालोर - सुबह 8 बजे से 9 बजे पाली - सुबह 9 बजे से 10 बजे जैसलमेर - सुबह 10 बजे से 11 बजे श्रीगंगानगर - सुबह 8 बजे से 9 बजे हनुमानगढ़ - सुबह 4 बजे से 5 बजे सिरोही - शाम 4 बजे से 5 बजे चूरू -शाम 5 बजे से 6 बजे बाड़मेर - शाम 5 बजे से 6 बजे बीकानेर - शाम 5 बजे से 6 बजे

जयपुर में 4 से 7 घंटे बिजली कटौती: राजधानी जयपुर में अलग-अलग क्षेत्र के अनुसार बिजली कटौती की घोषणा की गई है। शहर की करीब 70 कॉलोनियों-बस्तियों में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक पांच घंटे के लिए कटौती की जा रही है। जबकि करीब 50 इलाकों में दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक 4 घंटे के लिए कटौती की जा रही है। इसके अलावा 60 बड़े इलाकों में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक 6 घंटे के लिए और 20 कॉलोनियों-इलाकों में सुबह 9 से शाम 4 बजे तक 7 घंटे के लिए बिजली कटौती हो रही है। घोषित कटौती में जयपुर डिस्कॉम की ओर से मेंटेनेंस कारण बताया गया है।

अजमेर डिस्कॉम में 2 से 5 घंटे कटौती: अजमेर डिस्कॉम ने भी बिजली कटौती की तैयारी कर ली है। दिन और रात के समय अलग-अलग इलाकों में कटौती की जाएगी। शहरी इलाकों में 2 घंटे और ग्रामीण इलाकों में 5 घंटे तक पावर कट की तैयारी है। जल्द ही टाइम शेड्यूल जारी किया जाएगा।

अजमेर डिस्कॉम पीक आवर्स यानी शाम 6 से रात 10 बजे के बीच में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1 से 2 घंटे पावर कट करेगा। शहरी क्षेत्रों में 1 घंटे की कटौती होगी। इसी तरह ऑफ पीक आवर्स में दिन के समय में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 3 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 1 घंटे बिजली की कटौती की प्लानिंग की है। अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र में अजमेर के अलावा नागौर, चित्तौड़गढ़, सीकर, उदयपुर, झुंझुनूं , भीलवाड़ा, राजसमंद , बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़ जिले आते हैं।

नागौर में बिजली संकट के असर पर अधीक्षण अभियंता (स्श्र) ने बताया कि अभी लोड शेड्यूल नहीं बनाया है, पर 3 घंटे तक फीडर पर सप्लाई बंद रह सकती है। ग्रामीण क्षेत्र में दिन में और देर रात कटौती की जाएगी। शाम 6 से रात 10 बजे तक बिजली नहीं काटी जाएगी। रोज 4 घंटे इंडस्ट्रीज में भी बिजली भी बंद रह सकती है।

तंजानिया के अब्दुलरजाक गुर्नाह को साहित्य का नोबेल

नई दिल्ली। साहित्य का नोबेल पुरस्कार इस साल (2021) तंजानिया के उपन्यासकार अब्दुल रजाक गुर्नाह को दिया गया है। नोबेल कमेटी ने अपने बयान में कहा- उपनिवेशवाद के खिलाफ रजाक ने किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने इस बुराई की जड़ पर अपने साहित्य के जरिए प्रहार किया। गुर्नाह की कोशिश है कि महाद्वीपों के बीच सांस्कृतिक अंतर की गहरी खाई को लेखनी के जरिए भरा जाए। नोबेल एकेडमी की तरफ से जारी बयान में कहा गया- अब्दुल संस्कृति के विस्तार के हिमायती रहे हैं। उन्हें बचपन से ही साहित्य के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने का शौक था। आप उनकी जीवन यात्रा में इसकी झलक देख सकते हैं। जीवन के आखिरी दौर में भी उन्होंने लिखना नहीं छोड़ा। अब तक 117 लोगों को साहित्य का नोबेल प्रदान किया जा चुका है। इनमें से 16 महिलाएं हैं। पिछले साल साहित्य का नोबेल अमेरिकन कवि लुईस लक को दिया गया था।

राजस्थान में धार्मिक कार्यक्रमों से रोक हटी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में धार्मिक कार्यक्रमों में 200 लोगों के शामिल होने की सशर्त छूट दी है। सुबह 6 से रात 10 बजे तक धार्मिक कार्यक्रम हो सकते हैं। इसमें शामिल होने वाले लोगों को कम से कम वैक्सीन की एक डोज लगी होनी चाहिए। आयोजन की सूचना पहले जिला प्रशासन को देनी होगी। इससे साफ हो गया है कि दशहरे और दिवाली पर होने वाले कार्यक्रमों में अब किसी तरह का अवरोध नहीं है। गृह विभाग ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। गाइडलाइन में पशु हाट मेलों के साथ हाट बाजार लगाने की भी अनुमति दी गई है। अब तक हाट बाजारों पर रोक थी। हाट बाजार के लिए पहले प्रशासन को सूचना देनी होगी। प्रदेश के कई शहरों में हाट बाजार लगते हैं। गाइडलाइन में बाजार, दुकानें और कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स खुलने का समय पहले की तरह ही रात 10 बजे तक का रखा गया है। रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक प्रदेश भर में नाइट कर्फ्यू रहेगा। नाइट कर्फ्यू का समय पहले भी यही था। गृह विभाग की गाइडलाइन में धार्मिक कार्यक्रमों और हाट बाजारों से रोक हटाने के अलावा बाकी प्रावधान पुराने हैं। पहले से जारी छूट यथावत हैं।

कोयला संकट को देखते हुए प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा

बिजली बचत को बढ़ावा देने के लिए चलाएं जागरूकता अभियान : मुख्यमंत्री गहलोत

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। मानसून में हुई बारिश से कोयला खदानों में पानी भर जाने के कारण पूरे उत्तर भारत में पिछले कुछ दिनों से कोयला उपलब्धता के संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में बिजली की पर्याप्त उपलब्धता की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोयला खदानों में पानी भरने से उपजे इस संकट के कारण प्रदेश में थर्मल पॉवर प्लांट्स की कुछ इकाइयां अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रही हैं। ?से में आमजन को बिजली बचत के लिए जागरूक किया जाए।

गहलोत ने कहा कि बिजली संकट के कारण ग्रिड में बिजली की कमी है। पवन ऊर्जा प्लांट्स से भी स्थापित क्षमता से कम बिजली मिल रही है। देश में गहराये कोयला संकट एवं पर्याप्त कोयला नहीं मिलने से थर्मल पावर प्लांट से बिजली उत्पादन क्षमता में आई कमी के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए ताकि बिजली की बचत के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी आगामी दिनों में बिजली की मांग एवं उपलब्धता के आधार पर आपूर्ति के संबंध में कार्य योजना बनाएं। विद्युत संकट को देखते हुए उन्होंने उपभोक्ताओं से बिजली बचत के तरीके अपनाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऊर्जा विभाग के अधिकारी छत्तीसगढ़ जाकर वहां स्थित कोल ब्लॉक्स में कोयले की वर्तमान उपलब्धता एवं प्रदेश की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त कोयला उपलब्ध हो इसकी निरन्तर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने केन्द्रीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर पर्याप्त मात्रा में कोयला रैक की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा ताकि हमारे थर्मल पॉवर प्लांट्स का सुचारू संचालन हो सके। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को जरूरत के अनुसार बिजली आपूर्ति सुचारू रखने के लिए थर्मल पॉवर प्लांट्स का कार्यशील रहना जरूरी है।

बैठक में ऊर्जा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री से बातचीत के दौरान उनसे प्रदेश को आवंटित कोटे के अनुरूप कोयला प्रतिदिन उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। डॉ. कल्ला ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री ने केन्द्रीय कोयला मंत्री एवं कोयले की उपलब्धता की मॉनिटरिंग के लिए बनाए उप-समूह से चर्चा कर राजस्थान को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

चेयरमैन डिस्कॉम्स श्री भास्कर ए सावंत ने बिजली आपूर्ति की वर्तमान स्थिति पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि मौसम में हुए परिवर्तन से गर्मी एवं उमस बढ़ी है। ?से में दोपहर 3 बजे बाद बिजली की मांग काफी बढ़ गई है। आज की स्थिति में प्रतिदिन औसत मांग 12500 मेगावाट की है, जबकि औसत उपलब्धता 8500 मेगावाट ही है। प्रदेश में 4 अक्टूबर के बाद से बिजली का उपभोग बढ़ा है, लेकिन थर्मल पॉवर प्लांट्स के पूरी क्षमता से काम नहीं करने के कारण उपलब्धता घट रही है। मांग एवं उपलब्धता में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से रात्रि 12 बजे तक 2500 मेगावाट से अधिक का अंतर आ गया है। ऐसे में पिछले दो दिन से मजबूरीवश रोस्टर से बिजली कटौती की जा रही है। जिन क्षेत्रों में कटौती हो रही है, उसके बारे में लोगों को समाचार पत्रों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा ने किया नवनिर्मित 41 आक्सीजन प्लांट का वर्चुअल लोकार्पण

संभावित कोरोना की तीसरी लहरः राजस्थान पूरी तरह तैयार : चिकित्सा मंत्री

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने कोरोना से निपटने के लिये बेहतरीन प्रबन्ध किया है उन्होने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर में प्रदेश में आक्सीजन की कमी थी फिर भी राज्य सरकार ने माकूल व्यवस्था की जिससे प्रदेश में किसी की भी आक्सीजन की कमी से मृत्यु नही हुयी है आगे भी प्रदेश सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर को लेकर सजग है तथा सरकार ने इसके लिये पूरी तैयारियां कर ली है। चिकित्सा मंत्री डॉ रघु शर्मा आज गुरूवार को जिले के जिला कलक्टरी कार्यालय के वीसी रूम में पीएम केयर्स फंड से नवनिर्मित 41 आक्सीजन प्लांट के वर्चुअल लोकार्पण समारोह में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने वर्चुअल जयपुर से सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रदेश में कोरोना महामारी से बचाव के लिये राज्य सरकार ने व सभी ने बेहतरीन समन्वय के साथ मिलकर प्रयास किये है जिससे इस महामारी के संक्रमण को रोकने में कामयाबी मिली है उन्होने चिकित्सा मंत्री एवं उनकी विभागीय टीम का आभार ज्ञापित किया । उल्लेखनीय है कि वर्चुअल कार्यक्रम में जिले के नाथद्वारा स्थित उपजिला चिकित्सालय में नवनिर्मित आक्सीजन प्लांट का इस कार्यक्रम में लोकार्पण किया गया ।

कोरोना महामारी में किया बेहतरीन प्रबन्धन: उन्होंने कहा कि कोरोना काल में राज्य सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आधारभूत ढांचे को मजबूत किया है जिसमें नये वाड्र्स, आक्सीजन प्लांटस स्थापित व 3 हजार डाक्टर, 6500 एएनएम, जीएनएम एवं 7810 सीएचओ की भर्ती की गयी तथा जिलों में भी सीएचए को नियोजित किया गया है।

राजस्थान हाईकोर्ट को मिलेंगे 5 नए जज

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भेजा प्रस्ताव, जोधपुर के कुलदीप माथुर व रेखा बोराणा का नाम भी शामिल

निजी संवाददाता

जोधपुर। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट में 5 नए जज की नियुक्ति की सिफारिश केन्द्र सरकार से की है। इनमें 4 वकील व एक न्यायिक सेवा अधिकारी हैं। वकीलों में जोधपुर से कुलदीप माथुर व रेखा बोराणा और जयपुर से मनीष शर्मा व समीर जैन शामिल हैं। न्यायिक सेवा की अधिकारी शुभा मेहता का नाम भी है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम इससे पूर्व राजस्थान हाईकोर्ट में 3 नए जजों की नियुक्ति की सिफारिश केंद्र सरकार से कर चुका है। इनके अतिरिक्त ये 5 नाम और भेजे गए हैं। राजस्थान हाईकोर्ट में जज के कुल 50 पद स्वीकृत हैं। इनमें से 38 स्थायी व 12 अतिरिक्त जज के पद हैं। वर्तमान में 21 पद पर जज कार्यरत हैं। शेष पद रिक्त चल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की तीन दिन तक चली बैठक में देश के छह हाईकोर्ट में 23 न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की गई है।

क्या है कॉलेजियम सिस्टम: सुप्रीम कोर्ट ने 1993 में 9 जजों की बेंच ने आदेश पारित किया और कॉलेजियम सिस्टम की शुरुआत की थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने चीफ जस्टिस के अलावा चार सीनियर मोस्ट जज होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के तौर पर नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम नामों की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजता है।

राजस्थान में पैरा मेडिकल के पदों पर नियुक्ति : स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए आदेश

148 रेडियोग्राफर और 293 लैब टैक्नीशियन को जिले आवंटित, 10 दिन के अंदर देनी होगी ज्वाइनिंग

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान ने आज दो अलग-अलग आदेश जारी करके हाल में चयनित हुए 148 रेडियोग्राफर और 293 लैब टैक्नीशियन को नियुक्ति दी है। इन सभी कर्मचारियों को आदेश जारी होने के 10 दिन के अंदर ज्वाइनिंग देनी होगी। चयनित इन अभ्यर्थियों को अगले दो साल तक प्रोबशन अवधि में 18,500 रुपए वेतन मिलेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने बताया कि जून 2020 में कर्मचारी चयन बोर्ड के जरिए इन पदों पर आवेदन मांगे गए थे। उस समय 1119 लैब टेक्नीशियन और 1058 सहायक रेडियोग्राफर पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे थे। इन पदों पर रिजल्ट जारी होने के बाद जैसे-जैसे अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंटेशन होता गया वैसे-वैसे नियुक्ति देते गए। अब तक 655 सहायक रेडियोग्राफर एवं 732 लैब टैक्नीशियन को नियुक्ति दी जा चुकी है। आज सहायक रेडियोग्राफर के 148 पदों और लैब टैक्नीशियन के 293 पदों पर नियुक्ति आदेश जारी किए गए है। जो पद खाली रह गए है उन पर जैसे-जैसे डॉक्यूमेंटेशन होता जाएगा वैसे-वैसे नियुक्ति देते जाएंगे।

कोरोनाकाल में निकाली थी भर्ती, एक साल बाद भी पूरी नहीं हुई

साल 2020 में मार्च, अप्रैल में कोरोना के केस आने ही शुरू हुए थे, तब राजस्थान सरकार ने यह भर्ती निकाली थी। इन भर्ती को उस समय की जरूरत को देखते हुए 45 दिन में करने की बात कही थी। आवेदन लेने के बाद डॉक्यूमेंट्स की जांच करके जब रिजल्ट जारी किया तो वह विवादों में आ गया। सहायक रेडियोग्राफर के पदों पर आए कई सफल अभ्यर्थियों का राजस्थान पैरा मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन नहीं था। इस कारण मामला कोर्ट में भी चला गया था। कोर्ट के आदेश के बाद अधीनस्थ बोर्ड ने रिजल्ट जारी करते हुए चिकित्सा विभाग को चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी करके नियुक्ति देने की अनुशंषा की।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर, गुरुवार, 14 अक्टूबर, 2021

संपादकीय

टकराव की राह पर अमेरिका और चीन, दुनियाभर के लिए गंभीर हो सकते हैं परिणाम

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते चौतरफा टकराव के बीच ताइवान तनातनी के एक प्रमुख बिंदु के रूप में उभर रहा है। इस मामले में अमेरिका लंबे समय से संतुलन साधने की जो कवायद करता आया है, उसे कायम रख पाना अब मुश्किल हो गया है। कुल मिलाकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र इस समय शक्ति संतुलन में संक्रमण का साक्षी बना हुआ है। ऐसा संक्रमण अतीत में कभी नहीं देखा गया। इसके प्रभाव भी व्यापक और दूरगामी दिख रहे हैं। जैसे-जैसे चीन अड़ियल होकर आक्रामक बन रहा है, वैसे-वैसे अमेरिका अपने क्षेत्रीय साथियों को साधकर कड़े प्रत्युत्तर की तैयारी में जुटा है। इस स्थिति में बढ़ते क्षेत्रीय दबाव को दूर करने के लिए कोई संस्थागत ढांचा भी उपलब्ध नहीं है, जो मध्यस्थता के माध्यम से टकराव समाप्त करा सके। इतना ही नहीं इस संक्रमण का दायरा और रफ्तार इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि उसके असर से ताल मिलाने में क्षेत्रीय पक्षों को मुश्किलें पेश आ रही है। इस प्रक्रिया के परिणाम का प्रभाव भी मुख्य रूप से नकारात्मक ही है।

बीते कुछ हफ्तों में सभी पक्षों की ओर से सख्त संकेत देखने को मिले हैं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 'ताइवान के पुन-एकीकरण की अनिवार्यता' की एक तरह से धमकी दी है। ताइवान नेशनल डे के अवसर पर ताइवानी राष्ट्रपति साई इंग वेन ने चिनफिंग की इस धमकी का जवाब देते हुए दो टूक लहजे में कहा कि उनका देश चीनी दबाव के आगे कभी नहीं झुकेगा और हर हाल में अपने लोकतांत्रिक जीवन की रक्षा करेगा। बीजिंग के प्रति सख्त रवैये ने साई को घरेलू स्तर पर बहुत लोकप्रिय बना दिया है। उन्होंने अपने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को खासा महत्व देकर उसे अपनी ढाल बनाया है। उन्होंने ताइवान की नियति को एशिया में शांति एवं लोकतंत्र के साथ बहुत प्रभावी ढंग से जोड़ दिया है।

वहीं, बीजिंग इन पहलुओं पर जोखिम लेकर लाभ उठाने की फिराक में है। इसी कड़ी में वह ताइवानी रक्षापंक्ति की क्षमताओं को परखने के साथ ही इस बात की भी परीक्षा लेता दिख रहा है कि इस मामले में अमेरिका किस सीमा तक जा सकता है। जे-16 फाइटर्स और परमाणु सक्षम एच-6 बांबर जैसे चीनी लड़ाकू विमान लगातार बड़ी संख्या में ताइवानी वायु क्षेत्र में दाखिल हो रहे हैं। जिस तरह चीन इस क्षेत्र में कई जगहों पर शांति और स्थिरता वाली यथास्थिति को बदलने पर आमादा है कुछ वैसा ही काम वह ताइवान को लेकर भी कर रहा है। वहीं बीजिंग में इस पर नए सिरे से चिंता बढ़ गई है कि ताइवानी सरकार स्वतंत्रता की औपचारिक घोषणा करने के करीब पहुंच रही है। इसी कड़ी में चीन जो सैन्य कलाबाजियां दिखा रहा है वह एक तरह से ताइवान और उसके समर्थकों को धमकाने की ही कोशिश है कि बीजिंग किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार है।

अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में ताइवान को फिलहाल जितनी तव'जो मिल रही है, उतनी बीते कुछ दशकों के दौरान कभी नहीं मिली। जहां ताइवान के पक्ष में सकारात्मक माहौल बना है, वहीं चीन की प्रतिष्ठा घटी है। इसके बावजूद ताइवान के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ी है, क्योंकि बीजिंग द्वारा आक्रामक सैन्य शक्ति के प्रदर्शन का सिलसिला आने वाले दिनों में और बढ़ने की आशंका है। ऐसे बिगड़ते हालात के बीच चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने परस्पर संपर्क कर 'ताइवान समझौते' पर सहमति जताई। इसका अर्थ यही है कि वाशिंगटन चीन की 'वन चाइना' नीति को मानता रहेगा, जिसमें वह ताइवान के बजाय चीन को ही मान्यता देता है। साथ ही वाशिंगटन के ताइवान के साथ हुए समझौते के तहत अमेरिका ताइवान को उसकी आत्मरक्षा के लिए हथियार उपलब्ध कराना भी जारी रखेगा। इतना ही नहीं अमेरिका ताइवान को उसके हाल पर भी नहीं छोड़ने वाला। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने ऐसी अमेरिकी मंशा हाल में फिर से दोहराई। सुलिवन ने बीते दिनों कहा कि ताइवान स्ट्रेट में शांति एवं स्थायित्व को चुनौती देने वाली किसी भी कार्रवाई का अमेरिका न केवल मुखर विरोध करेगा, बल्कि उसे माकूल जवाब भी देगा।

इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका और चीन के बीच संबंध उनकी बढ़ती रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता के आधार पर ही आकार ले रहे हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि बुनियादी कूटनीतिक जुड़ाव की कड़ियां भी मुश्किल से जुड़ पा रही हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अपने चीनी समकक्ष के साथ प्रत्यक्ष द्विपक्षीय बैठक चाहते थे, लेकिन चीनी राष्ट्रपति ने इस पर कोई गर्मजोशी नहीं दिखाई और यही संकेत दिए कि ऐसे किसी भी आयोजन से पहले रिश्तों की प्रकृति में 'सुधार' आना आवश्यक है। वहीं वाशिंगटन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी नीति को दोतरफा मोड़ दिया है। जहां बाइडन प्रशासन ने छह महीनों के भीतर ही क्वाड नेताओं की दो शिखर बैठकें आयोजित की हैं वहीं गत माह आकस जैसे नए त्रिपक्षीय मंच का एलान भी किया। अमेरिका के लिए यह सब इस बात का संकेत देना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर उसका रवैया खुला और समावेशी है। बीजिंग इसे चीन पर अंकुश लगाने वाली कवायदों के रूप में देखता है।

जो भी हो, अमेरिका और चीन के रिश्तों में ताइवान एक अहम कड़ी साबित होने जा रहा है। अफगानिस्तान से एकाएक पलायन के बाद यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के लिए साख और विश्वसनीयता का बड़ा सवाल बन गया है। उधर यह चीन की दशकों पुरानी राष्ट्रीय एकीकरण की महत्वाकांक्षा और शी चिनफिंग के राष्ट्रीय कायाकल्प की परियोजना का अहम पड़ाव है। इन दोनों शक्तियों के उलट ताइपे के लिए यह उसके लोकतांत्रिक मूल्यों और जीवनशैली की संरक्षा का सवाल है।

भूख हड़ताल नहीं है उपवास

हेल्दी फास्टिंग का सही तरीका

हमने बचपन में ऐसे बहुत सारे लोगों के बारे में सुना है जो कठिन उपवास करते हैं. कुछ लोग दिन में सिर्फ एक वक्त फलाहार करते हैं, जबकि कुछ पानी भी नहीं पीते. मगर अब हम जान गए हैं कि उपवास हठयोग या भूख हड़ताल नहीं है. यह खानपान में सेहत के लिए किए जाने वाले जरूरी बदलाव हैं. आप इसे बदलते मौसम में खुद को डिटॉक्स करना भी समझ सकते हैं. इसलिए जरूरी है कि आप नवरात्रि फास्टिंग का सही तरीका जान लें.

न भूखे रहें, न ज्यादा खाएं

उपवास के दौरान किसी को भी पूरे दिन में एक बार खाने या पूरे दिन न खाने के नियम का पालन नहीं करना चाहिए. इससे आपको उबकाई, उल्टी और एसिडिटी जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. नवरात्रि के दौरान सभी को न उपवास और न भरपेट भोजन के सिद्धांत का पालन करना चाहिए.

मात्रा का ध्यान रखें

खुद को भूखा रखने के बजाय दिन भर के दौरान कम-कम मात्रा में खाना खाएं. हालांकि अपने खाने को कम ही रखें. डिहाइड्रेशन से बचने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें. अपने शरीर का हाइड्रेशन स्तर बनाए रखने के लिए अपने खानपान में ताजा नींबू पानी, नारियल पानी और फलों का ताजा जूस शामिल करें. इससे भूख भी कम ही लगती है.

सुपरफूड्स को शामिल करें

रामदाना या राजगीरा एक जादुई चीज है जिसे आपको खाना चाहिए. इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन है. साबूदाना और सिंघाड़े का आटा भी अनाज की जगह इस्तेमाल करना अच्छा होता है, लेकिन बहुत ज्यादा तली हुई चीजें खाने से बचें. किसी भी तरह की कमजोरी से बचने के लिए नवरात्रि के खाने में भरपूर मात्रा में पोषण होना चाहिए. अच्छी मात्रा में मेवों और फलों के साथ दिन की शुरुआत करना अच्छा होता है.

9 दिनों का डिटॉक्स

इन 9 दिनों के उपवास को डिटॉक्स डेज यानी शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके लिए आपको तली हुई चीजों और अनाज से परहेज करना होगा. अपने खानपान में मेवों के साथ भरपूर मात्रा में फलों और सब्जियों का इस्तेमाल करें. अगर आप हर 3 घंटे बाद नियमित तौर पर कुछ न कुछ खाते हैं और आपके खाने में भरपूर मात्रा में तरल पदार्थ, फल, सब्जियां और मेवे हैं, तो आप उपवास करते हुए भी इस त्योहार के दौरान अपनी ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं.

पाचन संबंधी समस्याओं से बचें

कब्ज से बचने के लिए अपने खानपान में भरपूर मात्रा में सलाद और ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना न भूलें. शकरकंद, कद्दू, लौकी, पपीता, केला, खीरा और टमाटर अच्छे विकल्प हैं. खाने के स्वाद को बेहतर बनाने के लिए हरा धनिया और पुदीने की चटनी का इस्तेमाल करें. भारी और तले हुए स्नैक्स और नमकीन से परहेज करें. स्नैक के कुछ सेहतमंद विकल्प भुना हुआ मखाना और भुने हुए मेवे हैं.

चुनें मीठे के हेल्दी विकल्प

ऊर्जा का स्तर बनाए रखने के लिए मिठाइयां अच्छा विकल्प होती हैं. रिफाइंड शुगर की जगह शहद और गुड़ का इस्तेमाल करें, ताकि मिठाइयों में पोषक तत्वों की मात्रा बढ़े और आपको खनिज और विटामिन भी मिल सकें.

सर्वाइकल कैंसर से बचाव में मददगार है एचपीवी वैक्सीन

गर्भाशय के मुख्य द्वार को सर्विक्स कहा जाता है. यहां होने वाला कैंसर, स्तन कैंसर के बाद स्त्रियों में होने वाला सबसे ज्यादा कॉमन कैंसर है. आज पूरी दुनिया में 10 में से एक महिला सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित है. बीमारी और इलाज संबंधी जानकारी के अभाव में भारत में यह खतरनाक बीमारी महिलाओं के लिए जानलेवा बनती जा रही है. भारत में इसके प्रतिवर्ष 1 लाख से अधिक मरीज आते हैं जिनमें से लगभग 72 हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है. अगर समय पर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का टीका लगवाते हैं तो इस बीमारी से बचा जा सकता है.

समय पर जांच करवाएं

सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत 'डिस्प्लेसिया' यानी प्री कैंसरस सेल से होती है. इस स्थिति से कैंसर बनने में कई वर्ष लगते हैं. प्रारंभिक स्थिति में जांचों से कैंसर से बचा जा सकता है. महिलाओं को समय-समय पर स्क्रीनिंग के तहत पैपस्मीयर और एचपीवी डीएनए टेस्ट करवाने चाहिए व लक्षणों पर ध्यान दें.

अक्सर हो जाती है देर

इस कैंसर से पूरी तरह बचाव संभव है, इसके बावजूद ज्यादातर महिलाओं में इसका निदान देरी से यानी तीसरी या चौथी स्टेज में होता है. ऐसे में रोग के ठीक होने की संभावना कम हो जाती है और इलाज जटिल हो जाता है. इसलिए समय रहते इसकी पहचान और निदान जरूरी है.

टीकाकरण

बच्चेदानी के कैंसर से बचाव में टीकाकरण अहम है. एचपीवी के विरुद्ध टीकाकरण करवाएं. इसका समय व खुराक विशेषज्ञ तय करते हैं. बालिकावस्था या शारीरिक संबंध बनाने से पहले इसे लगवाने का सही समय है. 10-26 वर्ष की बालिकाओं और महिलाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवानी चाहिए.

सही वक्त पर इलाज जरूरी

अनियमित रक्तस्राव, बदबूदार सफेद पानी आने के साथ पेट दर्द, वजन कम होना, संबंध के दौरान रक्तस्राव आदि लक्षणों को नजरअंदाज न करें. स्त्री कैंसर रोग विशेषज्ञ को दिखाएं. वे वीआइए कॉस्पोस्कोपी, लीप, कॉटराइजेशन, कोनाइजेशन से जांच कर रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी व सर्जरी करते हैं. सही इलाज लेने से रोग के पूर्ण रूप से ठीक होने की संभावना बढ़ती है.

वोडाफ़ोन वाला डॉगी

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार,

बच्चों, अपने देश में कई लोग ऐसे हैं जिनसे जब भी मैं डॉग्स की इस ब्रीड का नाम लेती हूँ तो नहीं पहचान पाते पर जैसे में 'वोडाफ़ोन वाला डॉगी' कहती हूँ तो उन्हें फ़ौरन इसका हुलिया याद आ जाता है। जी हाँ, मैं बात कर रही हूँ 'पग' ब्रीड की जो मेरी इस तस्वीर में भी आप मेरे साथ देख सकते हैं।

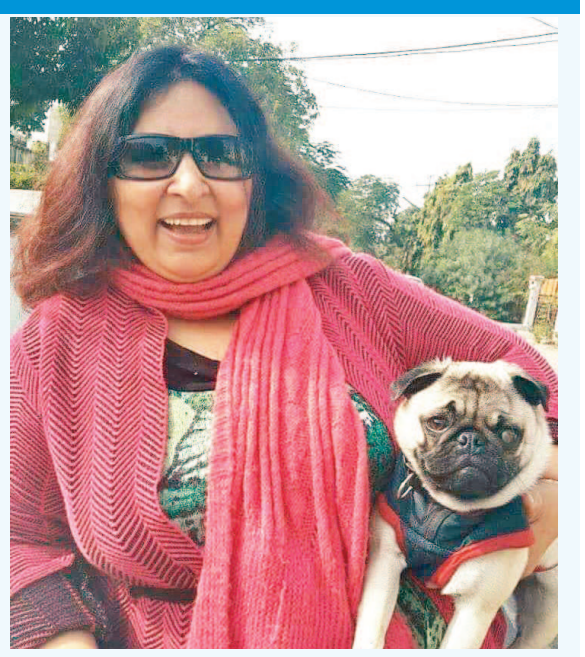

पग्स डॉग्स की प्राचीनतम ब्रीड्स में से एक 'पेडिग्री-ब्रीड' यानी कि जिसके पूर्वज एक ही प्रजाति के है और इस तरह से ये एक प्योरब्रेड ब्रीड है जिसकी जड़ें हमें चार सौ बी. सी. में मिलती हैं। सामान्यतः माना जाता है कि पग्स मूलतः चाइना का डागी है। वहाँ की रॉयल्टी, रईसों और यहाँ तक कि बुद्धिस्ट मौंक्स तक को ये कम्पनी दिया करके थे और हो भी क्यों ना, पग्स होते ही इतने प्लेफुल और प्लीजिंग नेचर के हैं और साईज़ में इतने छोटे, क्यूट से रिंकल्ड फ़ेस वाले और कॉम्पैक्ट होते हैं कि ये 'लैपडॉग' के रूप में बेहद लोकप्रिय थे। चाइना के रूलर्स में ये इतने पॉपुलर थे कि इनकी रखवाली के लिए वो ख़ास तौर से सैनिकों को तैनात किया करके थे, जबकि अपनी हमेशा अलर्ट रहने की आदत के कारण ये खुद अच्छे वॉचडॉग होते हैं। धीरे-धीरे ये एशिया के दूसरे देशों में लोकप्रिय होने लगे और तिब्बत के मौंक्स के पसंदीदा डॉग्स बन गये। रशिया में भी इनका इतिहास मिलता है।

जब 'ग्लोरियस-रेवोल्यूशन' फ़ेम के विलियम और मैरी 1688 में इंग्लैंड आये थे तो वो अपने लाव-लश्कर के साथ पग डॉग्स को भी लेकर आये थे।

क्वीन विक्टोरिया के समय में यानी कि उन्नीसवीं शताब्दी के चौथे दशक से अंत तक यूके में बहुतायत से इनकी ब्रीडिंग की गई थी और अन्य सजावट की चीजों के साथ ये भी विक्टोरियन-ड्रॉइंग-रूम में रखे जाते थे।

बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में इनकी लोकप्रियता कुछ कम हो गई थी लेकिन जल्द ही ये फिर से पॉपुलर होने लगे।

ड्यूक ऑव नॉरफ़ॉक ने इन्हें ऐरण्डल में रखा और विंड्ज़र के ड्यूक ने भी इन्हें कॉन्टिनेंटल में बहुत लोकप्रियता दिलाई थी। उन्हीं की पहल से इन्हें डॉग-शो में भी प्रदर्शित किया जाने लगा था।

आज हमारे देश में भी ये बहुत पसंद किये जाते हैं।

■ डॉ. कविता माथुर

मेडिटेशन करते समय रखें ध्यान

मेडिटेशन यानी ध्यान लगाने से न सिर्फ शारीरिक, बल्कि कई तरह के मानसिक लाभ भी मिलते हैं. हालांकि ये सभी लाभ तभी मिलते हैं जब मेडिटेशन सही तरह से किया जाए. कुछ लोगों को लगातार मेडिटेशन करने से भी पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाता क्योंकि वे मेडिटेशन के नियमों को फॉलो नहीं करते हैं.

शांत जगह चुनें

मेडिटेशन के अभ्यास के लिए एक ऐसी जगह चुनें जो शोर-शराबे से मुक्त हो और यहां शांति होनी चाहिए. अगर आप घर के किसी कमरे में मेडिटेशन करने वाले हैं तो ध्यान रखें कि वह कमरा हवादार और कम से कम लाइट वाला होना चाहिए. इसके साथ ही कमरे में किसी तरह की बदबू नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे मेडिटेशन के दौरान आपका ध्यान भटक सकता है. इसके अलावा मेडिटेशन के लिए आरामदायक योगा मैट चुनें.

सही समय

मेडिटेशन के समय का भी अपना एक अलग महत्व है. मेडिटेशन के अभ्यास के लिए सूर्योदय का समय सबसे अच्छा माना जाता है. इसका मुख्य कारण यह है कि सुबह के समय आपका शरीर तनावमुक्त और नई ऊर्जा से भरपूर होता है. इसलिए अगर आप अपने डेली रूटीन में मेडिटेशन के अभ्यास को शामिल करने वाले हैं तो इसके लिए सुबह 6 से 7 बजे के बीच के समय का चयन करें.

यूं करें ध्यान केंद्रित

कई लोग मेडिटेशन का अभ्यास करते समय जबरदस्ती अपने मन को शांत करने की कोशिश करते हैं और सोचते रहते हैं कि दिमाग में कोई भी विचार न आए. हालांकि ऐसा करने से तरह-तरह के विचार उनके मन में अधिक आते हैं. बेहतर होगा कि आप अपने मन और दिमाग को स्वतंत्र छोड़ दें और सिर्फ अपनी सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया पर ध्यान दें. इसके साथ ही मुंह से ओम का उच्चारण करें.

इन बातों का भी रखें ध्यान

मेडिटेशन का अभ्यास खाली पेट करना चाहिए क्योंकि इससे आप अपने शरीर की सारी ऊर्जा का इस्तेमाल ध्यान केंद्रित करने में कर पाएंगे. वहीं मेडिटेशन के अभ्यास से पहले कुछ मिनट वार्मअप करें. इससे पूरे शरीर में खून का संचार होना शुरू हो जाएगा जो मेडिटेशन की प्रक्रिया में मददगार साबित होता है. इसी के साथ मेडिटेशन के समय हमेशा ढीले कपड़े पहनें क्योंकि टाइट कपड़े ध्यान को भटकाने का कारण बन सकते हैं.

श्वासनली में रुकावट से सिरदर्द

कई लोगों में अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है. यह परेशानी रोज, सप्ताह या माह में एक बार भी हो सकती है. पेनकिलर से राहत मिल जाती है. लेकिन डॉक्टर्स का कहना है कि सिरदर्द किसी बीमारी का लक्षण भी हो सकता है, इसलिए मन से दवा लेने से समस्या गंभीर हो सकती है. दिमाग में किसी प्रकार के ट्यूमर, संक्रमण, बुखार या स्ट्रोक आदि से भी सिरदर्द होता है.

लक्षणों को नजरअंदाज न करें

अचानक असहनीय दर्द होने के अलावा खांसने, छींकने या झुकने के दौरान दर्द होकर ठीक हो जाए तो भी दिखाएं.

इनका भी ध्यान रखें

सोते समय या सुबह उठते ही, जिन्हें सिरदर्द होता है, उनमें श्वासनली के अवरोध से सांस की दिक्कत या सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस के कारण भी ऐसा होता है.

नाखून चबाने से संक्रमण का खतरा

कुछ लोग तनाव की स्थिति में नाखून चबाते दिखाई देते हैं. विशेषज्ञ अक्सर इस आदत को छोड़ने की सलाह देते हैं, क्योंकि नाखूनों में जमी गंदगी मुंह के जरिये पेट में जाकर संक्रमण करती है. कुछ मामलों में ओरल हाइजीन को खराब कर दांतों के इनेमल को भी नुकसान पहुंचाने लगती है. इसके दुष्प्रभाव से दांत सेंसिटिव होने लगते हैं.

हेपेटाइटिस भी हो सकता

नाखून चबाने से पानी जनित रोगों की आशंका बढ़ जाती है, जैसे टायफॉइड, हेपेटाइटिस, पेट में संक्रमण आदि.

पैरॉन्शिया का खतरा

नाखूनों को चबाने से कई बार नाखून के आसपास की त्वचा भी कट जाती है जिससे वहां संक्रमण हो सकता है. इसे पैरॉन्शिया कहते हैं. वहां घाव बन सकता है.

सेलिब्रेशन जोन

देशभर में बिखरती हैं विजयोत्सव की रंग बिरंगी छटाएं

6 प्रांतों में देखने लायक होती है पर्व की भव्यता

नवरात्रि के 9 दिनों बाद दसवें दिन विजयादशमी का पर्व मनाया जाता है, जिसे दशहरा कहते हैं. यह पर्व प्रेम, भाई-चारे और बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है. वैसे तो भारत में हर गांव, हर शहर में अनेक स्थानों पर रावण दहन कर दशहरा मनाया जाता है, लेकिन कुछ स्थान ऐसे हैं जो इस पर्व की भव्यता और आकर्षण के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं.

बस्तर

बस्तर के दंडकारण्य में भगवान राम अपने 14 वर्षों के वनवास के दौरान रहे थे. बस्तर के जगदलपुर में मां दंतेश्वरी का मंदिर है, जहां हर साल दशहरे पर हजारों की तादाद में आसपास के गांवों और जंगलों से आदिवासी लोग पहुंचते हैं.

मैसूर

मैसूर का दशहरा दुनिया भर में प्रसिद्ध है, जो कर्नाटक का प्रादेशिक त्योहार है. मैसूर में दशहरा लंबे समय तक मनाया जाता है, जिसमें भारत के अलावा दुनियाभर से लोग यहां पहुंचते हैं.

कुल्लू

कुल्लू के ढालपुर मैदान में मनाया जाने वाला दशहरा भारत के प्रसिद्ध दशहरा पर्वों में से एक है. हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के दशहरे को अंतरराष्ट्रीय फेस्टिवल घोषित किया है, जो पर्यटकों को सबसे बड़ी तादाद में आकर्षित करता है.

मदिकेरी

मदिकेरी दशहरा, कर्नाटक में 10 दिनों तक मनाया जाने वाला दशहरा है. यह कर्नाटक में मनाए जाने वाले प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है.

कोटा

राजस्थान के कोटा में भी दशहरा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. राजस्थान के अलग-अलग क्षेत्रों में कई त्योहार मनाए जाते हैं जिनमें कोटा का दशहरा काफी प्रसिद्ध है.

मंगलुरू

मंगलुरू में मनाया जाने वाला दशहरा देशभर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है. दशहरे पर यहां का बाघ और भालू नृत्य आकर्षण का केंद्र होते हैं.

देश के अलग-अलग राज्यों में वैविध्यपूर्ण मनाया जाता है नवरात्रि का त्योहार

कहीं दुर्गोत्सव का मेला तो कहीं 'ढोली तारो' की धूम

फेस्टिवल जोन

भारत में जिस तरह हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और सभ्यता है, ठीक उसी तरह किसी भी त्योहार को मनाने का हर राज्य का अपना अलग तरीका है. अलग-अलग होने के बावजूद यह सभी त्योहार हर साल ढेरों खुशियां देकर जाते हैं. नवरात्रि भी बहुत धूमधाम और जोश के साथ मनाई जाती है. इस त्योहार को विदेशों में भी बड़ी धूमधाम से सेलिब्रेट किया जाता है. नवरात्रि 9-दिवसीय त्योहार है, जो देवी मां और उनके विभिन्न रूपों जैसे सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा और जैसे कई और रूपों को समर्पित है. ये देवी अलग-अलग गुणों का प्रतिनिधित्व करती हैं और इनकी 9 अलग-अलग दिनों में पूजा की जाती है. पूरे देश में ये नौ दिन 9 अलग-अलग तरह से मनाए जाते हैं.

दिल्ली

देश की राजधानी दिल्ली में नवरात्रि के उत्सव को बहुत विविध रूप से मनाया जाता है. इस त्योहार को मनाने के लिए सभी क्षेत्रों के लोग एक साथ आते हैं. त्योहार के 9 दिनों में सभी अलग-अलग अनुष्ठान एक साथ करते हैं. दिल्ली एक ऐसा शहर है, जहां बड़ी संख्या में बंगाली लोग रहते हैं. इस वजह से यहां दुर्गा पूजा का आयोजन भी बड़े ही भव्य तरीके से किया जाता है. इसके अलावा पूरे शहर में रामलीला का प्रदर्शन किया जाता है. रामलीला में रामायण की कहानी का मंचन किया जाता है.

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में नवरात्रि समारोह नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें महिलाएं तांबे या पीतल के घड़े में पानी भरकर उसे चावल के एक ढेर पर रखती हैं. जिसे लकड़ी की मेज पर रखा जाता है और उसके बगल में एक दीपक रखा जाता है, जो ज्ञान और समृद्धि का प्रतीक है. घड़ा कृषि-कल्याण का प्रतीक है.

गुजरात

नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया गुजरात में होने वाले मुख्य कार्यक्रम हैं. यहां के लोग इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं. भक्त 'गार्बो' नामक एक प्रतीकात्मक मिट्टी के बर्तन की पूजा करते हैं, जो पूरे ब्रह्मांड में एक परिवार का प्रतिनिधित्व करता है और एक दीपक जो बर्तन के बगल में जलाया जाता है, प्रकाश का प्रतिनिधित्व करता है. डांडिया लोकनृत्य है, जो पूरे राज्य में बहुत विख्यात है. इसमें महिलाएं और पुरुष सभी हाथ में दो छोटी डंडियों को लेकर समूह में पारंपरिक परिधान पहनकर नृत्य करते हैं.

पंजाब

पंजाब में नवरात्रि मनाने का एक अलग ही तरीका है. नवरात्रि के दौरान पंजाब में महिलाएं त्योहार के पहले 7 दिनों तक व्रत रखती हैं, देवी की पूजा करती हैं और जगरातों में भाग लेती हैं, जिसमें रात भर भजन और भक्तिगीत गाए जाते हैं. आठवें दिन उपवास तोड़ा जाता है और 9 कन्याओं को आमंत्रित कर भोजन कराया जाता है और उन्हें मां दुर्गादेवी के रूप में पूजा जाता है. इसे कन्यापूजन या कंजक भी कहते हैं.

बंगाल, असम और बिहार

इन राज्यों में नवरात्रि का त्योहार दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है, जो बंगाल का मुख्य त्योहार है. सप्तमी, अष्टमी, नवमी और दशमी नवरात्रि के अंतिम चार दिन हैं, जिन्हें पूर्वी भारत में बड़ी धूमधाम से मनाते हैं. दुर्गा पूजा पूरे राज्य में एक भव्य पैमाने पर मनाया जाता है, जिसमें कुछ विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं और मां दुर्गा की प्रार्थना की जाती है.

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश में नवरात्रि का उत्सव दसवें दिन होता है, जिसे कुल्लू दशहरा के रूप में जाना जाता है, जो अयोध्या में भगवान राम की वापसी का प्रतीक माना जाता है. यहां देवी की मूर्तियों के साथ एक विशाल जुलूस निकाला जाता है और व्यास नदी के किनारे लंकादहन के प्रसिद्ध प्रदर्शन के बाद कुछ नृत्य और अनुष्ठान किए जाते हैं.

केरल

यह राज्य नवरात्रि को देवी सरस्वती (शिक्षा और ज्ञान की देवी) के सम्मान के रूप में मनाता है. इन नौ दिनों को केरल में सबसे शुभ माना जाता है और यहां हर दिन कुछ नया किया जाता है. त्योहार के आखिरी 3 दिनों में केरल में लोग सरस्वती की पूजा करते हैं और उनकी मूर्ति या छवि के सामने किताबें रखते हैं.

तमिलनाडु

नवरात्रि के दौरान तमिलनाडु में गुड़ियों का एक प्रसिद्ध त्योहार मनाया जाता है, जिसे बोम्मई कोलू के नाम से भी जाना जाता है. इन गुड़ियों में विभिन्न विषयों के अनुसार देवता, देवी, पक्षी, किसान शामिल होते हैं.

राजस्थान

नवरात्रि के दौरान दशहरा मेला राजस्थान का मुख्य कार्यक्रम है, जहां सभी क्षेत्रों के लोग एक साथ आते हैं और जश्न का हिस्सा बनते हैं.

जिंदा है रावण

मित्र मुरारीलाल
कल रात
घर पर आए,
मंद-मंद मुस्कराए।
जब उन्होंने
लोटा भर पानी पिया,
पसीना सुखाया
और जी भर
सुस्ता लिया,
तब हमने पूछा-
''आपने ऐसा
कौन-सा काम किया है
जिसने आपको
बुरी तरह
थका दिया है?''
वे बोले-
''रावण को जलाकर
लौट रहा हूं
और मन ही मन
सोच रहा हूं
कि हम बरसों से
रावण को
जला रहे हैं,
उसके पुतले को
आग लगा रहे हैं!
फिर हर बार
ये नया रावण
कहां से आ जाता है!
हमारे मन-मस्तिष्क पर
छा जाता है!
क्यों हम
रावण जैसा व्यवहार
करने लगते हैं,
अपना घड़ा
अपने ही पाप से
भरने लगते हैं?
बस देखते ही देखते
दंगे हो जाते हैं,
अच्छे-भले आदमी
कपड़े उतारकर
नंगे हो जाते हैं!
भला, वह दिन
कब आएगा,
जब हर आदमी
रावण के पुतले को नहीं,
अपने भीतर छिपे
रावण को जलाएगा!!

मधुप पांडेय,
9422111511

विजयादशमी पर्व सिखाता है शक्ति के साथ मर्यादा का पाठ

यह पर्व शरद नवरात्रि के 10वें दिन पड़ता है. इसी दिन शारदीय नवरात्रि के नौदुर्गा पूजन का आखिरी दिन होता है. इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व के तौर पर मनाया जाता है. इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने लंकापति रावण का वध किया था तो मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार. तब से लेकर अब तक हर वर्ष बुराई के तौर पर रावण का पुतला जलाया जाता है. देश भर में इसी दिन रावण दहन के साथ रामायण मंचन का समापन होता है.

गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरित मानस के अनुसार, लंकापति राक्षसराज रावण ने वनवास के दौरान भगवान श्रीराम की पत्नी सीता का अपहरण कर लिया था. वह उन्हें अपने राज्य लंका ले गया और बंदी बनाकर रखा. भगवान राम ने लक्ष्मण के साथ सीताजी की खोज शुरू की. रास्ते में उन्हें जटायु ने बताया कि रावण सीताजी का हरण करके लंका ले गया है. इसके बाद श्रीराम को बजरंगबली हनुमान, जामवंत, सुग्रीव और तमाम वानर मिले. इन सबको मिलाकर उन्होंने एक सेना बनाई जिसके साथ रावण से युद्ध किया. दस सिर वाले 'दशानन' कहे जाने वाले राक्षस रावण को युद्ध के दसवें दिन मार दिया. तब से दशमी को विजयादशमी के तौर पर मनाया जाता है. देश भर में 10 सिर वाले रावण का पुतला दहन किया जाता है.

महिषासुर का वध

रावण दहन के अलावा इसी दिन देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर का वध भी किया था. दुर्गा सप्तशती में मां दुर्गा और महिषासुर के वध की कथा बताई गई है. मां दुर्गा ने आश्विन शुक्ल की दशमी तिथि को महिषासुर का वध किया था. इसके बाद सभी देवताओं ने मां दुर्गा की विजय पर उनकी पूजा-अर्चना की थी, इसलिए इस तिथि को विजयादशमी भी कहते हैं.

धर्म की जीत का प्रतीक

दशहरा के दिन मां दुर्गा ने महिषासुर का वध किया और श्रीराम ने रावण पर जीत हासिल की, इसलिए इस दिन को बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व मानते हैं. श्रीराम मर्यादा और आदर्श के प्रतीक हैं, तो वहीं मां दुर्गा शक्ति की प्रतीक हैं. इस पर्व से लोगों को शक्ति के साथ मर्यादित, धर्मनिष्ठ और उच्च आदर्शों के साथ जीवन जीने की सीख मिलती है.

स्वर्ग से गंगा का पृथ्वी पर आगमन

पौराणिक ग्रंथों में इस बात का उल्लेख मिलता है कि राजा भगीरथ ने अपने पुरखों को मुक्ति प्रदान करने के लिए भगवान शिव की आराधना करके गंगाजी को स्वर्ग से उतारा था. जिस दिन वे गंगा को इस धरती पर लाए, वही दिन गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है. ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को हस्त नक्षत्र में स्वर्ग से गंगा का आगमन हुआ था.

दशमी का इतिहास

- इसी दिन असुर महिषासुर का वध करके माता कात्यायनी विजयी हुई थीं.
- इसी दिन भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध कर उसे मुक्ति प्रदान की थी.
- इसी दिन देवी सती अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अग्नि में समा गई थीं.
- इसी दिन पांडवों को वनवास हुआ था.
- इसी दिन अज्ञातवास समाप्त होते ही, पांडवों ने शक्तिपूजन कर शमी के वृक्ष में रखे अपने शस्त्र पुनः हाथों में लिए एवं विराट की गाएं चुराने वाली कौरव सेना पर आक्रमण कर विजय प्राप्त की थी.
- यह भी कहा जाता है कि इसी दिन पांडवों ने कौरवों पर विजय प्राप्त की थी. महाभारत का युद्ध 22 नवंबर 3067 ईसा पूर्व को हुआ था जो 18 दिन तक चला था.
- इस दिन से वर्षा ऋतु की समाप्ति के साथ ही चातुर्मास भी समाप्त हो जाता है.
- इस दिन शिरडी के साईं बाबा ने समाधि ली थी.
- यह एक कृषि संबंधी लोकोत्सव भी है. वर्षा ऋतु में बोई गई धान की पहली फसल जब किसान घर में लाते हैं, तब यह उत्सव मनाने का भी चलन रहा है.

दशहरा पर्व विजय का प्रतीक है. इन दिनों मौसम खुशनुमा हो जाता है. पौधों पर बहार आ जाती है. गेंदे के फूल चारों तरफ मुस्कुराने लगते हैं.

विजयादशमी पर क्यों सजाते हैं गेंदे के फूल

- गेंदे का रंग केसरिया है. यह रंग विजय, हर्ष और उल्लास का प्रतिनिधित्व करता है. इस फूल का धार्मिक महत्व भी अन्य फूलों से ज्यादा है. यूं तो गुलाब तथा चमेली के साथ और भी अन्य कई प्रकार के सुगंधित फूल धरती पर मौजूद हैं, फिर भी गेंदे के फूल का रंग शुभता का प्रतीक माना जाता है. इनके चटख रंग देखकर ही मन प्रफुल्लित हो जाता है. केसरिया मिश्रित पीला या लाल मिश्रित पीला दोनों ही रंग पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ माने गए हैं. अतः प्रकृति प्रदत्त यह उपहार पर्व के प्रति स्नेह, सम्मान और प्रसन्नता दर्शाते हैं.
- इसका अपना अलग धार्मिक महत्व भी है. अतः विजय पर्व पर गेंदे को सजाने और पूजा में चढ़ाने का महत्व है. इसे सूर्य का प्रतीक भी माना गया है.

प्राचीन ग्रंथों में यह फूल सुंदरता और ऊर्जा का प्रतीक भी माना गया है. ये फूल शब्दों के बिना ही विजय पर्व के प्रति प्रसन्नता जाहिर कर देते हैं.

- यह दिव्य शक्तियों के साथ सत्य का प्रतीक माना गया है. इसके लाल मिश्रित पीले रंग को भगवान के प्रति समर्पण का प्रतीक माना है. इसकी गंध सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों को दूर कर तनाव को कम करती है. यह सामान्यतः वातावरण को शांति प्रदान करने वाला होता है.
- इसके अंदर कैंसर जैसी घातक बीमारियों को दूर रखने के गुण होते हैं. यह सजावटी फूल प्राकृतिक रूप से कीट-पतंगों के साथ मच्छरों को भी दूर रखने में सहायता प्रदान करता है. रिसर्च से पता चला है कि इसके अंदर कान के संक्रमण को दूर करने की क्षमता होती है. यह प्राकृतिक रूप से एंटीसेप्टिक भी है.
- इसे मेरीगोल्ड भी कहते हैं, परंतु संपूर्ण भारत में यह गेंदे के नाम से जाना जाता है. इसे संस्कृत में स्थूलपुष्प के नाम से जाना जाता है. इन फूलों को सांगली, सतारा और बैंगलोर से विशेष रूप से मंगवाया जाता है. दशहरे से लेकर दिवाली तक इनकी बिक्री करोड़ों में होती है.

तीसरी आंख

दशहरे के दिन कुबेर ने राजा रघु को स्वर्ण मुद्रा देते हुए शमी की पत्तियों को सोने का बना दिया था, तभी से शमी को सोना देने वाला पेड़ माना जाता है. कथा के अनुसार, अयोध्या के राजा रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया. सर्व संपत्ति दान कर वे एक पर्णकुटी में रहने लगे. वहां कौत्स नामक एक ब्राम्हण पुत्र आया. उसने राजा रघु को बताया कि उसे अपने गुरु को गुरुदक्षिणा देने के लिए 14 करोड़ स्वर्ण मुद्राओं की आवश्यकता है. तब राजा

शमी पत्र को स्वर्ण रूप में देने की परंपरा

रघु कुबेर पर आक्रमण करने के लिए तैयार हो गए. डर कर कुबेर राजा रघु की शरण में आए तथा उन्होंने अश्मंतक एवं शमी के वृक्षों पर स्वर्णमुद्राओं की वर्षा की. उनमें से कौत्स ने केवल 14 करोड़ स्वर्णमुद्राएं लीं. जो स्वर्णमुद्राएं कौत्स ने नहीं ली, वह सब राजा रघु ने बांट दी. तभी से दशहरे के दिन एक दूसरे को सोने के रूप में लोग अश्मंतक के पत्ते देते हैं. यह भी कहा जाता है कि एक बार एक राजा ने भगवान का मंदिर बनवाया और उसमें प्राण-प्रतिष्ठा करने के लिए एक ब्राम्हण को बुलाया. ब्राम्हण ने दक्षिणा में 1 लाख स्वर्ण मुद्राएं मांग लीं तो राजा सोच में पड़ गया. मनचाही दक्षिण दिए बगैर ब्राम्हण को लौटाना भी उचित नहीं था तो उसने ब्राम्हण को एक रात महल में ही रुकने को कहा और सुबह

तक इंतजाम करने की बात कही. रात में राजा चिंतित होते हुए सो गया, तब सपने में भगवान ने दर्शन देकर कहा कि शमी के पत्ते लेकर आओ, मैं उसे स्वर्ण मुद्रा में बदल दूंगा. यह सपना देखते ही राजा की नींद खुल गई. उसने उठकर शमी के पत्ते लाने के लिए अपने सेवकों को साथ लिया और सुबह तक शमी के पत्ते एकत्रित कर लिए. तभी चमत्कार हुआ और सभी शमी के पत्ते स्वर्ण में बदल गए. तभी से इस दिन शमी की पूजा का प्रचलन भी प्रारंभ हो गया.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर, गुरुवार, 14 अक्टूबर, 2021

स्टेनो परीक्षा में सफलता के दिए टिप्स...

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सरकारी नौकरी की गारंटी के लिए लोकप्रिय गणगौरी बाजार स्थित टैगोर पॉलिटेक्निक संस्थान के प्राचार्य स्टेनो गुरु अमन खन्ना की ओर से स्टेनो परीक्षा में स्टूडेंट्स को मोटिवेशन के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि यंगलीडर समाचार पत्र के सम्पादक अशोक शर्मा एवं पत्रकार दिनेश जोशी ने स्टूडेंट्स को निरंतर स्टेनो का अभ्यास करने, रोजाना डिक्टेशन लिखने के साथ कठिन शब्दों के शॉर्टकट बनाकर अभ्यास के दम पर डिक्टेशन की गति बढ़ाने एवं डिक्टेशन का अनुवाद कम्प्यूटर द्वारा करके स्टेनो के साथ टाइपिंग में गति, एक्युरेसी, समय का ध्यान रखने के टिप्स देने के साथ सभी स्टूडेंट्स के परीक्षा में सफलता की कामना की। समारोह में स्टेनो गुरु अमन खन्ना ने राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार पत्रों की न्यूज कटिंग, देश-प्रदेश के विभिन्न केंद्रीय व राज्य सरकार के संस्थानों में सरकारी सेवारत हजारों स्टूडेंट्स की जानकारी के साथ संस्थान की तीन दशक की उपलब्धियां बताई। कम्प्यूटर एक्सपर्ट राजेश श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया।

सत्कार वुमन्स वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में डांडिया रास 2 का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। 11अक्टूबर को संस्कृत कॉलेज सीताराम बाजार ब्रह्मपुरी जयपुर में मनाया गया है मुख्य अतिथि हवामहल विधानसभा के पूर्व विधायक श्री सुरेंद्र जी पारीक ने प्रोग्राम की सराहना करते हुए कहा कि हिंदुत्व की रक्षा के लिए ऐसे कार्य होते रहने चाहिए जो कि सत्कार संस्था के द्वारा समय समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहे है । संस्था की अध्यक्ष एवं प्रबन्धक बरखा शर्मा बताया कि आज डांडिया के इस कार्यक्रम में गुजराती परिधान में डांडिया किया गया कार्यक्रम में माता के दरबार के सामने नृत्य ,आरती ,आराधना की गई कार्यक्रम में परिधान , नृत्य ,रूप सजा में प्रथम ,द्वितीय,तृतीयआये प्रतियोगियों को पुरुस्कार भी दिए गए ।ओर साथ ही

एक आगामी कार्यक्रम सर्व धर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन का पोस्टर विमोचन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री सुरेंद्र जी पारीक पूर्व विधायक हवामहल , श्रीमति स्नेहलता जी शर्मा शहर मंत्री, श्रीमति कविता जी मलिक पूर्व अध्यक्ष महिला मोर्चा, पार्षद विमल जी अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल सेना राष्ट्रवादी विष्णु जी जादौन प्रदेश अध्यक्ष प्रेम जी शर्मा एवम,संस्था के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छबड़ा इनरव्हील क्लब ने किया दो दिवसीय गरबा महोत्सव

कार्यालय संवाददाता

छबड़ा। इनरव्हील क्लब छबड़ा द्वारा नवरात्रि में दो दिनों का गरबा महोत्सव किया गया। अध्यक्ष नंदिनी सोनी ने बताया कि इस महोत्सव का उद्घाटन विट्ठल जी गोयल द्वारा किया गया तथा प्रथम दिन निर्णायकगण तारा सोनी, कृष्णा राठौर , अर्चना गगरानी रहे दूसरे दिन विजेताओं का निर्णय विभा जी जैन, सोनाली सिंघल ,तथा निहारिका गगरानी ने किया। कार्यक्रम का संचालन क्लब के चार्टर प्रेसिडेंट डॉली जी जैन द्वारा किया गया जिसमें बेस्ट बेस्ट ड्रेसअप जूनियर में प्रथम धन्वी जैन, सौम्या जैन, सदुल सोनी रही द्वितीय वृंदा सोनी, मनाल अदलखा तृतीय रिद्धिमा अहीर, वरीदी भार्गव तथा दक्षता सोनी रहे। बेस्ट डांडिया जूनियर में प्रथम धानी गर्ग, सात्विक गगरानी व पहल महेश्वरी वहीं द्वितीय रिद्धिम जैन, गौरी नामदेव तृतीय परिधि गगरानी, विंसी सोनी ,दिव्यम गर्ग रहे बेस्ट कपल गरबा जूनियर में प्रथम रिद्धिमा- गरिमा मंगल, कृतिका बंसल -

परिधि गगरानी ,दिव्यम गर्ग- लक्ष्य पोरवाल तृतीय दक्षिता सोनी - सदुल सोनी रहे। बेस्ट ड्रेसउप सीनियर प्रथम प्रांजल सोनी, तनिष्का, द्वितीय प्रांशु गर्ग तृतीय खुशी शर्मा थी। बेस्ट डांडिया में सीनियर प्रथम कविता गगरानी, प्रांजल सोनी द्वितीय पायल महेश्वरी, धानी गर्ग तृतीय रानू गर्ग, मिहि बेस्ट कपल सीनियर प्रथम प्रांशु व रानू रक्षा माहेश्वरी व कविता गगरानी द्वितीय टीना पोरवाल व निधि जैन खुशी शर्मा व पारुल सोनी रहे। कार्यक्रम में स्वर्णकार ,पंजाबी, पोरवाल ,माहेश्वरी ,नामदेव ,अग्रवाल समाज तथा एड़िया मंदिर समिति, यूथ क्लब प्रगति क्लब के अध्यक्ष तथा सचिवों का विशेष सहयोग रहा तथा कार्यक्रम को सफल बनाने मैं क्लब अध्यक्ष नंदिनी सोनी, सचिव अंजू सोनी आईएसओ कविता गर्ग, कोषाध्यक्ष रेखा गेरा चार्टर सेक्रेटरी निहारिका गगरानी, उपाध्यक्ष अनामिका जैन क्लब सदस्य अर्चना गगरानी, आशा अग्रवाल, सीमा बागड़ी ,अनीता शर्मा ,चंदा धनेरिया, माधुरी चौहान पल्लवी जैन, सारिका सोनी का सहयोग रहा गरबा महोत्सव का समापन कैलाश चंद जी जैन वह पार्षद गोविंद तिवारी द्वारा पुरस्कार वितरण से हुआ।

कविता

जय जगत

(वसुधैव कुटुम्बकम्" की भावना से ओतप्रोत गीत)

जय जगत पुकारे जा,
सिर अमन पर वारे जा,
सबके हित के वास्ते,
अपना सुख बिसारे जा!
प्रेम की पुकार हो,
सबका सबसे प्यार हो,
जीत हो जहान की,
क्यों, किसी की हार हो !
न्याय का विधान हो,
सबका हक समान हो,
सबकी अपनी ही जमीन,
सबका आसमान हो !
रंग भेद छोड़ दो,
जाति-पाति तोड़ दो,
यूँ मानवों में आपसी,
अखंड प्रीत जोड़ दो !
शांति की हवा चले,
जग कहे चले-चले
दिन उगे स्नेह का,
रात रंज की ढ़ले!
जय जगत, जय जगत,
जय जगत पुकारे जा !

ज्योत्स्ना सक्सेना
प्रिंसिपल रा.उ.मा.विद्यालय
भिंडर, उदयपुर

संकलन, ज्योत्स्ना सक्सेना, उदयपुर

बापू -विनोबा की छवि बच्चों के मानस पटल में अंकित करने में 'जय -जगत ' गीत बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। आज के संदर्भ में भी इस प्रेरक गीत विराट संदेश छिपा है।

'एक थी महुआ' के लोकार्पण समारोह सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

मुज़फ्फरनगर। रविवार 3 अक्टूबर को एस डी कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलोजी के ऑडिटोरियम में मुजफ्फरनगर की लाड़ली रचनाकार सविता वर्मा 'गज़ल' के प्रथम कहानी संग्रह 'एक थी महुआ' का लोकार्पण जनपद के तथा जनपद के बाहर से पधारे मूर्धन्य साहित्यकारों की महती उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अ.कीर्तिवर्धन ने तथा संचालन मधुर नागवान ने किया। साहित्यिक संस्था 'शब्द संसार' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का आरम्भ रूपा चौधरी की सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर नेपाल की कवयित्री पूजा 'बहार' और लखनऊ की रचनाकार रश्मि श्रीवास्तव 'लहर' को आरती स्मृति सम्मान से भी पुरस्कृत किया गया।

'एक थी महुआ' के लोकार्पण के अवसर पर बोलते हुए नई दिल्ली से पधारे चर्चित कथाकार संदीप तोमर ने कहा कि सविता वर्मा गज़ल की यह विशेषता है कि उनकी कहानी लिखने की रवानगी से पाठक कहानी के अन्त तक बंधा रहता है। लेखिका हर कहानी का अन्त एक सकारात्मक समाधान के साथ करना चाहती है। इस बात की परवाह किए बिना कि ऊँट किस करवट बैठेगा,उन्होंने अपने वक्तव्य में साहित्य की विभिन्न विधाओं की विस्तृत चर्चा की।

नगर की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था प्रयत्न के चेयरमैन और विशिष्ट अतिथि समर्थ प्रकाश व मुकेश अरोरा ने समाज के निर्माण में कवियों, कथाकारों, रचनाकारों और साहित्यकारों के योगदान को स्वीकार करते हुए समाज की ओर से भी बदले में उन्हें आर्थिक और सामाजिक सहयोग करने पर बल दिया। प्रयत्न के ही अध्यक्ष मुकेश ने कहा-सविता वर्मा गज़ल की नाटकीयता से भरपूर कहानियाँ में अपने आस-पास के पात्र एकदम सजीव हो उठते हैं इसलिए इन कहानियों से समाज के पुनर्जागरण और पुनर्निर्माण का उज्जवल भविष्य भी दिखाई देता है।

मधुर नागवान ने अपने संचालन के साथ ही टिप्पणी दी कि कहानी आज प्रयोगों के दौर से गुज़र रही है।

हापुड़ से पधारे महेश वर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में प्रयोग के नाम फर कहानियाँ में न केवल फूहडता और अति कल्पना हावी हो रही है बल्कि शीघ्र लोकप्रिय होने की जल्दबाजी में लेखक धैर्य भी खोते जा रहे हैं।

इस अवसर पर शब्द संसार की सचिव मनु श्वेता, सुमन युगल ने सविता वर्मा गज़ल की कहानी का वाचन किया और रश्मि श्रीवास्तव 'लहर' ने 'एक थी महुआ' संग्रह की कहानियों में से चयन की गई विभिन्न विषयों पर सूक्तियाँ भी प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त कवयित्री सुमन लता, वरिष्ठ साहित्यकार गोपाल नारसन जी , खुशबू वर्मा आदि ने भी कहानी संग्रह 'एक थी महुआ' पर समीक्षा प्रस्तुत की।सुमन प्रभा, सुमन युगल, अखिलेश साहिल, मनु स्वामी, चिराग सिंघल, अनिल ऋतुराज, योगेन्द्र सोम, जे पी सविता , डा. प्रदीप जैन, नेमपाल प्रजापति, रामकुमार रागी, पुष्पा रानी, पंकज शर्मा आदि की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

बनेसिंह राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस का राजस्थान राज्य का प्रदेशाध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राष्ट्रीय कोर कमेटी नई दिल्ली के निर्णयनुसार स्वामीनाथ जायसवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष ने राष्ट्रीय कोर कमेटी की बैठक में बनेसिंह मीणा पुत्र सुर्जा राम मीणा को राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) का राजस्थान राज्य का प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया।

राजस्थान द्वारा राज्य में असंगठित मजदूरों के कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए किये जा रहे उनके संघर्ष को देखते हुए उन्हें यह जिमेदारी सौंपी गई है। इससे पहले वे राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान थे। इस अवसर पर बने सिंह ने सोनिया गांधी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) द्वारा बनाए गए संविधान का पूरी तरह से संरक्षण करेंगे और भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के संविधान के अनुपालन और असंगठित श्रमिकों के कल्याण के लिए अपना प्रयास जारी रखेंगे।

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा-2021

15 लाख 62 हजार 995 अभ्यर्थी पंजीबद्ध, 23 से 24 अक्टूबर 2021 तक होगी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 23 से 24 अक्टूबर 2021 तक होने वाली पटवार सीधी भर्ती परीक्षा- 2021 की सभी तैयारी पूर्ण कर ली है। परीक्षा हेतु पंजीबद्ध कुल 15 लाख 62 हजार 905 अभ्यर्थियों में से 5 लाख 2 हजार 307 महिला पंजीबद्ध हैं। बोर्ड सचिव हरि प्रसाद शर्मा ने बताया कि परीक्षा केन्द्र में अवांछित सामग्री ले जाने का प्रयास करने, नकल करने, अभ्यर्थी के स्थान पर फर्जी अभ्यर्थी बैठाने अथवा प्रयास करने वाले अभ्यर्थियों की परीक्षा निरस्त की जाकर बोर्ड द्वारा आगामी समय में आयोजित परीक्षाओं में एक निश्चित अवधि से लेकर आजीवन अवधि तक के लिए प्रतिबंधित किये जा सकते हैं। उन पर राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम 1992 के अन्तर्गत एफ.आई. आर भी दर्ज करवायी जायेगी। बोर्ड द्वारा सलाह दी गई है कि कोरोना गाइडलाइन की पालना करें एवं बोर्ड द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड में ही परीक्षा केन्द्र पर आएं। परीक्षा केन्द्रों पर किसी प्रकार के कीमती सामान, आभूषण एवं परम्परागत आभूषण, मोबाईल सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान अथवा ऐसी वस्तु जो परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय साथ ले जाना अनुमत नहीं है। निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराने के दृष्टिगत निर्धारित नॉर्मस अनुसार फ्लाइंग स्क्वाड में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी एवं वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी, आन्तरिक सतर्कता दल, प्रत्येक केन्द्र पर ऑब्जरवर आदि लगाये जायेंगे जो स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए उत्तरदायी होंगे तथा उप संयोजकों, केन्द्राधीक्षकों परीक्षा कक्ष अभिजागरों, परीक्षा से सम्बद्ध सरकारी एवं प्राइवेट कार्मिक पर कड़ी निगरानी रखेंगे। इसके अतिरिक्त परीक्षा केन्द्र के आस-पास की कर उनके विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्यवाही इन सतर्कता दलों द्वारा की जायेगी।

पटवार सीधी भर्ती परीक्षा-2021 कार्यक्रम

- 23 अक्टूबर(शनिवार) को प्रथम चरण की परीक्षा प्रातः 8:30 से 11:30 तथा इसी दिन द्वितीय चरण की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे आयोजित होगी।
- 24 अक्टूबर (रविवार) को तृतीय चरण की परीक्षा प्रातः 8:30 से 11:30 तथा इसी दिन चतुर्थ चरण की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे आयोजित होगी।

नेट-थियेट पर खेला गया तमाशा गोपीचंद भर्तृहरी

ब्रह्मपुरी में जन्मा है लोकनाट्य-तमाशा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नेट-थियेट पर आज परंपरा नाट्य समिति, जयपुर की ओर से जयपुर के प्रसिद्ध लोक ख्याल तमाशा में गोपीचंद भर्तृहरि खेला गया। त्याग और बलिदान पर आधारित तमाशा की इस प्रसिद्ध ख्याल की रचना पण्डित बंशीधर भट्ट द्वारा की गई। लोकनाट्य के इस आख्यान को कई शताब्दियों से खेला जाता रहा है। जिसमें गोपीचंद की माँ को देवी स्वप्न में दर्शन देती हे और बताती है कि अपने पुत्र को अमर बनाना है तो जोग धारण करवाओ बस माँ के इस स्वप्न को सच करने की सुंदर कहानी है गोपीचंद भर्तृहरि। भट्ट परिवार द्वारा बडे अखाडे ;अम्बिकेष्वर महादेव मंदिर आमेर व छोटा अखाड़ा ब्रह्मपुरी में होली के अवसर पर प्रस्तुत किये जाने की परंपरा आज भी है।

इस परंपरा में बडा नाम तमाशा गुरू गोपी जी भट्ट का आता है जिन्होंने

कई सालों तक बडे अखाडे, आमेर में इसका प्रदर्शन किया। आज नेट-थियेट पर तमाशा साधक दिलीप भट्ट के निर्देशन में प्रसिद्ध आख्यान गोपीचंद भर्तृहरि के अंश खेले गये।

नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि दिलीप भट्ट ने सातवी पीढी के साथ इस आख्यान को प्रस्तुत किया। शास्त्रीय रागों पर आधारित इस ऐतिहासिक आख्यान का आरंभ श्री गणनाथ कृपाला बंधो जो राग पहाडी भोपाली, ज्ञानी राजा गोपीचंद रानी पाटम दे राग असावरी, इसके अलावा राग मालकौस, राग केदार, आदि की सहायता से अपनी पारंपरिक वेशभूषा में एकल प्रस्तुति दी। सारंगी पर फिरदौस खान, हारमोनियम पर जगदीश, तबले पर सचिन भट्ट और कौरस में हर्ष भट्ट ने अपनी सधी हुई संगत से प्रस्तुति को रोचक बना दिया।

संगीत विष्णु कुमार जांगिड, प्रकाश मनोज स्वामी, अंकित जांगिड व दृष्य सज्जा मुकेश कुमार सैनी, जितेन्द्र शर्मा, अंकित शर्मा नोनू, अर्जुन देव, सौरभ कुमावत, अजय शर्मा, जीवितेश शर्मा, धृति शर्मा, तुषार शर्मा रहे।

लॉयन्स क्लब का सेवा सप्ताह कल्याणम सम्पन्न

जयपुर। लॉयन्स क्लब जयपुर विद्याधर नगर की तरफ से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा सप्ताह कल्याणम का शानदार समापन किया गया। लॉयन्स क्लब जयपुर विद्याधर नगर के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने बताया कि समापन कार्यक्रम में क्लब के मेम्बर्स की उपस्थिति में लगभग 150 लोगों को भोजन कराया गया। पवन ने बताया कि लॉयन्स क्लब की तरफ सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न सेवा कार्य शानदार तरीके से किए गए, जिसमें सभी साथियों का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान पंकज पुलासरिया, जोन चेयरपर्सन रीना पुलासारिया, रेखा अग्रवाल, दिनेश गुप्ता, रामसहाय विजय, मनीष गुप्ता, राजकुमार चौधरी, प्रयाग गोयल, सुभाष गुप्ता, महेश गर्ग, विकास चौधरी, निशा गोयल, निशा, शिल्पी गुप्ता, पुनीत गर्ग व जयप्रकाश गुप्ता सहित अन्य मेम्बर्स शामिल हुए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**